मिशन शिक्षण संवाद

की प्रस्तुति

विश्व के प्रमुख पर्यटन स्थल

काव्य मंजरी

शैक्षिक कविताओं का संकलन

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

#9458278429

01

नियाग्रा फाल्स

अमेरिका और कनाडा की सीमा पर,
नियाग्रा नदी पर है ये प्रपात।
नाम है यह भारतीय मूल का,
अर्थ है पानी की गड़गड़ाहट।।

बहुत ही खूबसूरत,
अत्यन्त ही विशाल।
है दुनिया का एक करिश्मा,
अपने आप में है कमाल।।

बर्फ पिघलने से था बना,
झरने से ज्यादा तेज था पानी।
कभी नही जमता है यह,
रहता है इसमें हमेशा पानी।।

तीस फीट प्रति सेकेण्ड की गति,
300 फीट से अधिक है गहरा।
ऊपर से ही पार किया जा सकता,
नीचे इसमें कोई ना ठहरा।।

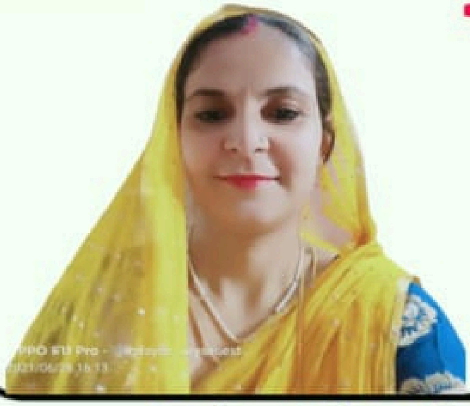

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

02

टाइम्स स्क्वायर

न्यूयार्क शहर के मिडटाउन मैनहट्टन,
में अवस्थित महत्वपूर्ण चौराहा।
नाम टाइम्स स्क्वायर, अति प्रसिद्ध,
पर्यटन केन्द्र 'दुनिया का चौराहा'।।

'टाइम्स चौक' नाम होकर भी,
वर्गाकार नही यह दिखता।
ब्रॉडवे और सेवेन्थ एवेन्यू सड़कों के प्रतिच्छेदन,
से बना डमरू के आकार का दिखता।।

बिल्बोर्डों और प्रचार बोर्डों से,
दिन-रात अलौकिक रहता।
अमेरिका में "ब्रह्माण्ड का केन्द्र",
आदि नामों से जाना जाता।।

विश्व के व्यस्ततम नगरीय पदयात्रा,
मार्गों में से एक कहा जाता।
गुजरते तकरीबन 33000 लोग रोज,
न्यूयार्क कभी न सोने वाला शहर कहा जाता।।

रचना-
रचना रानी शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8), नारंगपुर
वि० ख०- परीक्षितगढ़, मेरठ

03

ताजमहल

विश्व के सात आश्चर्य में से,
एक है भारत का ताजमहल।
वास्तुकला का सुन्दर उदाहरण है,
आगरा में स्थित ताजमहल।।

शाहजहाँ ने अपनी पत्नी की,
याद में बनवाया था ताजमहल।
सम्पूर्ण विश्व में प्रेम का प्रतीक,
माना जाता है यह ताजमहल।।

सफेद संगमरमर के पत्थरों से,
बना है यह सुन्दर मकबरा।
भारत की अमूल्य धरोहर है,
आगरा का यह मकबरा।।

देश-विदेश से लाखों पर्यटक,
प्रतिवर्ष देखने आते हैं ताजमहल।
सम्पूर्ण विश्व में अपनी खूबसूरती के,
लिए प्रसिद्ध है ताजमहल।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

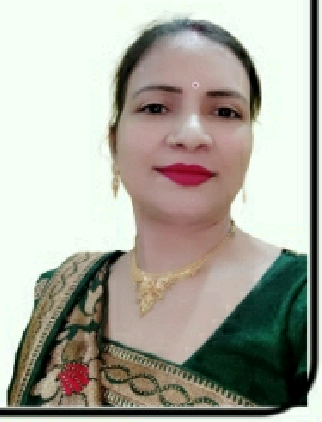

04 वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड रिज़ॉर्ट

वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड रिज़ॉर्ट,
डिज्नी वर्ल्ड भी है कहलाता।
समुद्र तट पर बसा है यह,
यह आरामगाह सबको भाता।।

1 अक्टूबर 1971 ई० को हुई स्थापना,
बे लेक फ्लोरिडा यू०एस०ए० में बना।
जेफ वहले अध्यक्ष है कहलाये
यह मनोरम स्थल सबको भाये।।

बच्चे-बड़े सभी यहाँ हैं आते,
वाटर पार्क में खूब धमाल मचाते।
समर वेकेशन के लिए है अच्छा,
आना चाहे यहाँ हर बच्चा-बच्चा।।

देखने में लगता है बहुत खूबसूरत,
यह है मनोरंजन रिज़ॉर्ट परिसर।
समुद्र तट पर बसा ये मन लुभाता,
बच्चे-बड़े सबको है खूब भाता।।

रचना
ब्रजेश सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० बीठना,
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

05

स्टेचू ऑफ लिबर्टी

आज स्टेचू ऑफ लिबर्टी,
दुनिया के योग्य स्थलों में से एक है।
इसका पूरा नाम,
लिबर्टी एनलाइजिंग द वर्ल्ड है।।

रोमन देवी लिबर्ट्स के नाम पर है,
स्टेचू ऑफ लिबर्टी।
स्वतन्त्रता और लोकतन्त्र का,
स्थायी प्रतीक है स्टेचू ऑफ लिबर्टी।।

एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण है,
स्टेचू ऑफ लिबर्टी।
2,04,117 किलोग्राम वजन की है,
मूर्ति 151 फीट है लम्बी।।

प्रतिमा शुद्ध ताम्बे के आवरण से बनी है,
जो स्टील के ढाँचे में तनी है।
मशाल की लौ सोने से लेपित है,
यह राष्ट्रीय स्मारक के रूप में सेवित है।।

रचना-
रुपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

फतेहपुर सीकरी

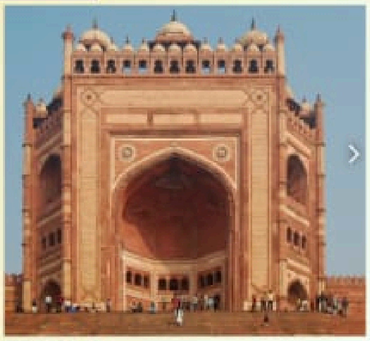

बाबर ने राणासांगा को सीकरी में था हराया,
अकबर को राजधानी बनाने के लिए यह भाया।
आगरा से 40 कि० मी० दूर फतेहपुर सीकरी है,
सूफी-सन्त के आशीष से अकबर ने जहाँगीर पुत्र पाया।।

किले में दीवाने खास, पंचशील, अनूप तालाब हैं,
आँख मिचौली, जोधामहल, शाही मस्जिद प्रमुख हैं।
अकबर ने यहीं से गुजरात जीतने के लिए कूच किया।
फतह के बाद नाम बदल 'फतेहपुर सीकरी' रख दिया।।

किले में शहनाई घर और नौबतखाने में,
मुगलशैली की नक्काशियाँ बनीं है।
'बुलन्द दरबाजा' बलुआ, लाल-पत्थर का,
यहाँ 'शेख सलीम चिश्ती' की दरगाह भी बनी है।।

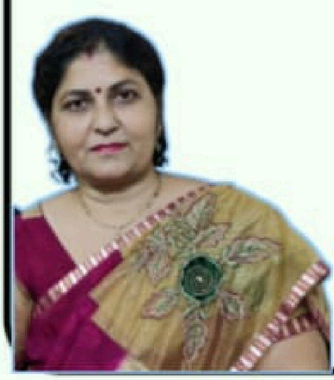

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० क्षे० व जिला- मथुरा

07

हॉलीवुड साइन

हॉलीवुड साइन लॉस एंजलिस में,
अमरीकी संस्कृति को दर्शाता है।
माउन्ट ली के बीचवुड घाटी में यह,
कैलिफोर्निया को उजागर करता है।।

30 फीट चौड़ा और 50 फीट लम्बा,
स्टील युक्त बोल्ड अक्षरों में प्रर्दशित है।
रियल स्टेट के विज्ञापन में प्रचार हेतु,
सर्वप्रथम शहर में प्रतिस्थापित है।।

प्रतिवर्ष ऑस्कर समारोह के आयोजन,
में हर कैमरे की शान को बढ़ाता है।
अमरीकी फिल्म उद्योग में कलाकारों,
की सपनों की नगरी कहलाता है।

मुम्बई जिस तरह माया नगरी कलाकारों,
की फिल्मी दुनिया कहलाती है।
हॉलीवुड साइन भी लॉस एंजलिस में,
इस शहर की पहचान को बढ़ाती है।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

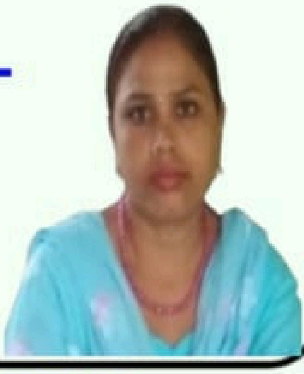

08

टॉवर ऑफ लन्दन

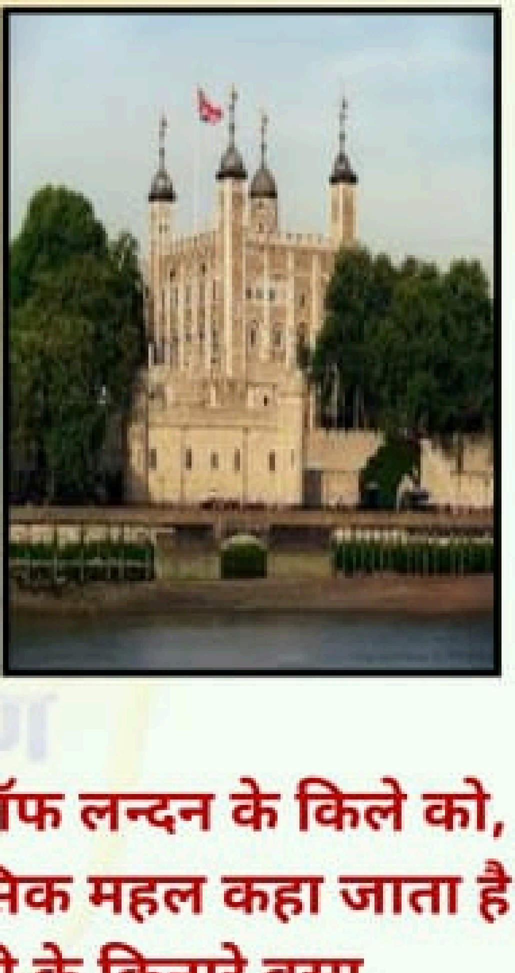

विलियम ने टावर ऑफ़ लन्दन को,
1070 में लन्दन में बनवाया था।
सर्वप्रथम इमारत का निर्माण,
बस लकड़ियों से करवाया था।।

एक समय में यह महल,
ब्रिटिश का शाही महल कहलाया था।
हेनरी अष्टम ने अपनी रानी का,
1936 में यही सिर कलम कराया था।।

लकड़ी की बनी काल कोठरी,
चारों तरफ दिखती खाई थी।
बाद में पुनर्निर्माण के लिए,
फ्रांस से शिलाएँ मंगवायी थी।।

टॉवर ऑफ लन्दन के किले को,
ऐतिहासिक महल कहा जाता है।
टेम्स नदी के किनारे बसा,
प्रसिद्ध इमारत में गिना जाता है।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

09

डिजनीलैण्ड रिजार्ट

1950 के दशक में विकसित,
विशाल मनोरंजन पार्क व रिजार्ट।
पहले मिकी माउस पार्क से प्रसिद्ध,
अब है डिजनीलैण्ड रिजॉर्ट।।

डिजनीलैण्ड केलिफोर्निया एडवेंचर पार्क,
संयुक्त राज्य अमेरिका में है प्रसिद्ध।
कैलिफ़ोर्निया इतिहास और संस्कृति
आधारित है डिजनीलैण्ड रिजार्ट।।

डिजनीलैण्ड रिजॉर्ट अनाहेम शहर के,
दक्षिण में है कई मील दूर स्थित।
100 एकड़ की पार्किंग वाला,
थीम पार्क है डिजनीलैण्ड रिजॉर्ट।।

पूर्व में बोलवर्ल्ड, दक्षिण में कवेलाएवेन्यू,
पश्चिम मे वॉलनट स्ट्रीट और।
उत्तर-पूर्वी कोने पर एक कोण पर,
अंतर्राष्ट्रीय सीमा तय करता रिजॉर्ट।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

10 कोर्णाक मन्दिर

ओड़ीशा राज्य के पुरी जिले में,
विश्व विख्यात कोणार्क स्थित है।
जगन्नाथ मन्दिर से 21 मील पर,
चन्द्रभागा नदी किनारे स्थित है॥

कहते हैं सूर्यदेव ने श्री कृष्ण के,
पुत्र साम्बा को ठीक किया था।
इससे प्रसन्न हो श्री कृष्ण ने,
यह मन्दिर उनको समर्पित किया था॥

भारतीय स्थापत्य का सर्वश्रेष्ठ नमूना,
दो शब्दों से मिलकर बना है।
कोण का अर्थ कोना व अर्क से सूर्य,
मिल मन्दिर का नाम कोणार्क पड़ा है॥

पूर्व दिशा में स्थित सात घोड़े,
सप्ताह के 7 दिनों को प्रदर्शित करते हैं।
मन्दिर में स्थित चौबीस पहिये,
दिन के 24 घण्टे प्रदर्शित करते हैं॥

रचना :- शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्र० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

माउण्ट एवरेस्ट

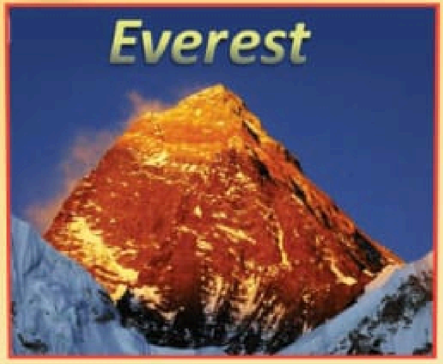

शिखर एवरेस्ट सबसे ऊँचा,
नभ तक है पंख फैलाये।
नेपाल–चीन तक विस्तार किया,
ऊँचे शिखरों से शोभा पाये।।

हिस्सा है हिमालय क्षेत्र का,
दो सेंटीमीटर ऊँचाई बढ़ाये।
8840 मीटर है ऊँचाई,
प्रतिवर्ष ही बढ़ता जाये।।

प्रथम आरोहण मई 1953 में,
तिथि था वो 29 मई महान।
एडमंड हिलेरी, तेनजिंग नारगे,
ने एवरेस्ट पर किया प्रथम प्रयान।।

नेपाल में है ये सागरमाथा,
चोमोलंगमा तिब्बत में कहलाता।
संस्कृत में देवगिरी हैं कहते,
जिससे उन्नत है विश्व का माथा।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा वि० खजनी (रुद्रपुर)
क्षेत्र- खजनी, जनपद- गोरखपुर

12

गीजा के पिरामिड

दुनिया के सात अजूबों में से एक,
गीजा के पिरामिडों को गिना जाता।
सदियों पुराना इसका इतिहास है,
जो सुनता हैरान वो रह जाता।।

इतनी विशाल इमारत है ये,
कि चाँद से भी नजर आता।
कुफू पिरामिड को महान गीजा,
पिरामिड के नाम से जाना जाता।।

लाइमस्टोन ब्लॉक्स और ग्रेनाइट पथरसे,
3800 ई0पू0 में इसे बनवाया गया।
मिस्र के पिरामिडो का निर्माण राजाओं के,
शव दफनाने के लिए किया गया।।

पुजारी, चिकित्सक, लेखक और सन्त,
इम्होटेप पिरामिड के वास्तुकार रहे।
ये ऐसी इमारत है जिसमें तापमान स्थिर,
गर्मी और भूकम्प से पूरी सुरक्षा रहे।।

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत

13

बुर्ज खलीफा

बुर्ज खलीफा की है शान,
देश करता इस पर अभिमान।
ऊँची इमारत की अजब शान,
विश्व में है इसकी पहचान।।

828 मीटर ऊँचाई है इसकी,
168 नायाब मन्जिलें हैं इसकी।
इसकी वास्तुकला है बड़ी गजब,
देखने वालों को लगती है अजब।।

एड्रियन स्मिथ इसके वास्तुकार,
कार्य रहा इनका बड़ा बेहिसाब।
छह वर्षों में यह हुई बनकर तैयार,
इसका है बिल्कुल अलग प्रकार।।

सारी सुविधाओं से है सुसज्जित,
यह है भव्य और बड़ी सुव्यवस्थित।
21 वीं सदी का है यह चमत्कार,
वास्तुकला का नायाब अविष्कार।।

रचना- इला सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा,
अमौली, फतेहपुर।

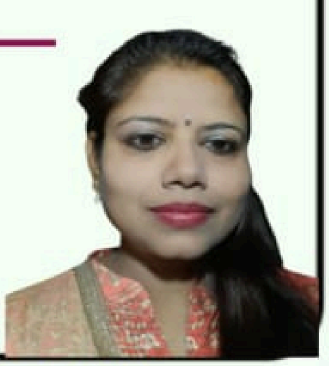

14

चीन की दीवार

मिट्टी और पत्थर से बनी,
एक किलेनुमा दीवार।
चीन के शासकों द्वारा बनी,
रक्षा के लिए तैयार।।

६,४०० किलोमीटर क्षेत्र में,
फैला इसका विस्तार।
कुल ६७०० कि॰मी॰ लम्बी,
चीन की दीवार।।

आठवीं शताब्दी ईसा पूर्व में,
हुआ इसका निर्माण।
कुई, यान और जाहो राज्यों ने,
किया इसका निर्माण।।

इस दीवार निर्माण परियोजना में,
२० से ३० लाख लोगों ने जीवन लगा दिया।
युनेस्को द्वारा १९८७ से,
विश्व धरोहर घोषित किया गया।।

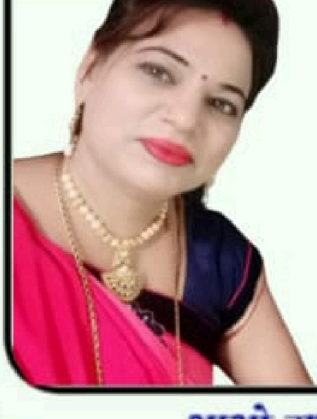

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

15

बर्लिन की दीवार

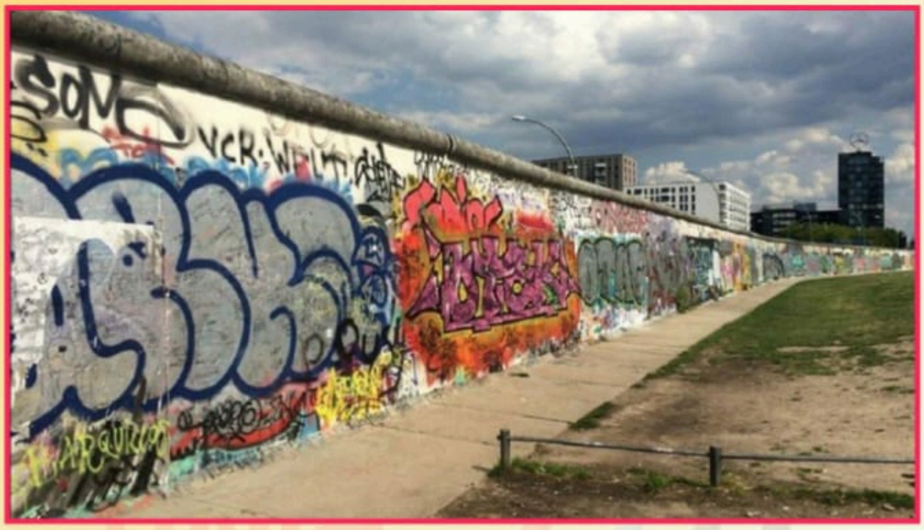

बर्लिन शहर को बाँटा दो टुकड़ों में,
विशालकाय बर्लिन की दीवार ने।
पश्चिम बर्लिन और जर्मन के बीच,
बाधा बढ़ाया बर्लिन की दीवार ने।।

13 अगस्त 1961 से शुरू हुआ निर्माण,
जर्मन सीमा की थी प्रमुख भाग।
अनेक भित्ति चित्र बने हैं दीवार में,
थी प्रमुख भूमिका शीत युद्ध में।।

द्वितीय विश्वयुद्ध से बंट गया जर्मनी,
पूर्वी बर्लिन से पश्चिम को जाने लगे सभी।
बहुत आर्थिक हानि हुई जर्मनी को,
बर्लिन की दीवार ने रोका सभी को।।

रचना
प्रतिमा उमराव (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान
शिक्षक का सम्मान
मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्य मंजरी

रचनाकारों की सूची

01-भावना शर्मा, मेरठ
02- रचना रानी शर्मा, मेरठ
03- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
04- बृजेश सिंह, अलीगढ़
05- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात
06- नैमिष शर्मा, मथुरा
07- नीलम भास्कर, बागपत
08- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
09- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
10- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
11- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
12- ज्योति सागर, बागपत
13- इला सिंह, फतेहपुर
14- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
15- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर

मार्गदर्शन
राजकुमार शर्मा, चित्रकूट
तकनीकी सहयोग
जितेन्द्र कुमार, बागपत
नैमिष शर्मा, मथुरा

संकलन :- काव्य मंजरी टीम, मिशन शिक्षण संवाद